

एसिड अटैक सर्वाइवर जिनकी चमकीली मुस्कान से आज रैंप जगमगाता है मगर....

एसिड अटैक सर्वाइवर जिनकी चमकीली मुस्कान से आज रैंप जगमगाता है मगर....

ह्यूमन स्टोरी: एसिड अटैक सर्वाइवर अनमोल कीह्यूमन स्टोरी: एसिड अटैक सर्वाइवर अनमोल की

हम आज फिर से आपके लिए इसे पेश कर रहे हैं. 2 महीने की उम्र में ही एसिड अटैक की शिकार हुई लेकिन अब रैंप पर चल रहीं 25 साल की अनमोल की कहानी है यह. अनमोल बताती हैं कि लंबे समय तक अस्पताल उनका घर बना रहा और नर्स जैसे उनकी मांएं बनीं रहीं. वह इतनी छोटी थीं कि उस वक्त का उन्हें कुछ भी याद नहीं.

25 साल की अनमोल जब रैंप पर चलती हैं और अपनी मुस्कान बिखेरती हैं तब मानो स्टेज भी अपने होने पर मुस्कुरा देता हो ! हालांकि अनमोल बताती हैं कि जब वह बस-ट्रेन में बैठती हैं तो लोग दूर हट जाते हैं जैसे उन्हें कोई फैलने वाली बीमारी हो. लेकिन अनमोल कुछ कहती नहीं, बस अपनी खूबसूरत मुस्कान बिखेर देती हैं. आप सोचेंगे कि ऐसा क्यों है कि रैंप पर कैटवॉक करने वाली एक मॉडल को देखकर लोग सकुचाने लगते हैं... हां, आपका हैरान होना, सिर खुजाना लाजिमी है. दरअसल अनमोल एसिड अटैक सर्वाइवर हैं.

मां नहीं रहीं, बेटी बच गई
एसिड अटैक की शिकार हुई अनमोल अपने ही पिता के हाथों एसिड की शिकार हुई. वह महज 2 महीने की थीं जब उनके पिता ने मां पर एसिड डाल दिया था. वह तब मां की गोद में सो रही थीं. पापा अचानक घर के भीतर घुसे और मां पर एसिड की बोतल डाल दी. अनमोल की मां पर जो एसिड गिरा, वह उन पर गिरता चला गया और उन्हें झूलसाता चला गया. ऐसी हालत में मां और बेटी को उनके पड़ोसियों ने ही हॉस्पिटल पर पहुंचाया. मां इस इलाज के दौरान जीवित नहीं बच पाई. लेकिन अनमोल बच गईं. अनमोल बताती हैं कि लंबे समय तक अस्पताल उनका घर बना रहा और नर्स जैसे उनकी मांएं बनीं रहीं. वह इतनी छोटी थीं कि उस वक्त का उन्हें कुछ भी याद नहीं.

हॉस्पिटल में नर्सों के बीच गुजारा जीवन
अनमोल के जीवन के ये शुरुआती साल ऐसी जगह पर गुजरे जहां लोग आना भी पसंद नहीं करते. फिनाइल की बदबू और खून व रक्त देखकर लोगों को जहां आने से परेशानी होती है वहां वह अपने शिशु-जीवन को गुजार रही थीं. बड़ी हो रही थीं. अनमोल ने पांच साल वहां गुजारे. बाद में उन्हें अनाथालय भेज दिया गया. अनाथालय में वह बाकी बच्चों के बीच हंसती खेलती बोलती बड़ी हुई. हर त्योहार में बाकी बच्चों की तरह तैयार होती और सजती संवरती. बस एक फर्क किया गया- उन्हें स्टेज पर जाने की परमिशन नहीं थी'

अनमोल को डांस करना, अच्छे-अच्छे पोज बनाना बहुत ही अच्छा लगता था. लेकिन वह फिर भी



अनमोल को डांस करना, अच्छे-अच्छे पोज बनाना बहुत ही अच्छा लगता था. लेकिन वह फिर भी स्टेज पर नहीं जा सकती थीं. वह कहती हैं कि सालों बाद उन्हें इस बात की वजह पता चली. वे इसलिए उन्हें नहीं बताते थे कि कहीं वह खुद को दूसरों से अलग जानने लगेंगी तो सहना मुश्किल होगा. अनमोल कहती हैं कि जब वह कॉलेज गईं तब उन्हें यह 'पता चला' कि वह 'अगली' (बदसूरत) हैं. न कोई दोस्ती के लिए तैयार था न ही कंफर्टेबल होना. कारण यही कि वह सबसे अलग दिखतीं. वह कॉलेज में कोने में बैठकर अकेले ही लंच करतीं और कॉलेज की क्लास में सबसे आखिरी बेंच पर अकेले ही बैठा करतीं. वह कहती हैं कि मैं खुद को ज्यादा से ज्यादा इन्विजिबल रखने की कोशिश करतीं. काफी चुपके से दबे पांव क्लास में घुसतीं और लैक्चर के दौरान टीचर से कोई सवाल नहीं करती थीं जिसका नतीजा यह भी हुआ कि पढ़ाई में पिछड़ने लगीं. इसके बाद कॉलेज जाना उन्होंने बंद कर दिया और अंततः वह फेल हो गई थीं.

सहकर्मियों ने कहा- शक्ल की वजह से काम पर फोकस नहीं कर पाते
मागर, अनाथालय में सभी की हौसला अफजाई के बाद उन्होंने दोबारा पढ़ाई की और नौकरी शुरू की लेकिन फिर अचानक अनाथालय के लोगों ने उन्हें

डाली सुबह लोगों ने ढेरों कमेंट्स के जरिए हौसला अफजाई की हुई थी. इसी बीच एक दिन एक यूनिवर्सिटी से एक प्रोजेक्ट के लिए मॉडलिंग का ऑफर आया.

सुपारी के 7 फायदे जानकर होंगे हैरान आगे देखें...

यह उनकी लिए जबरदस्त खबर थी क्योंकि जहां उनकी शक्ल की वजह से लोग उन्हें नौकरी पर भी नहीं रख रहे थे वहां वह अब रैंप पर चलने वाली थीं. धीरे-धीरे उन्हें और ऑफर आने लगे. अब अनमोल सुपर मॉडल्स के बीच रैंप वॉक करती हैं. हालांकि वह यह भी बताती हैं कि फैशन इंडस्ट्री में लोग खुद को नेकनीयत दिखाने के लिए कई बार रैंप पर एसिड अटैक सर्वाइवर या भारी शरीर वाली औरतों को ले लेते हैं. पेमेंट की बात चले तो कहते हैं- तुम्हें इतने बड़े लोगों के बीच चलने का मौका मिला यह ही बड़ी बात है. मगर अनमोल कहती हैं कि ऐसी बातें उन्हें दुख जरूर दें लेकिन वह इस दुख को झाड़कर चलना नहीं छोड़तीं और बस चलती चली जा रही हैं. जिन्दगी की टेढ़ी मेढ़ी रैंप पर उन्होंने शायद अब चलना सीख लिया है।

पश्चिम भी स्वीकार रहा है कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते

शिवेश प्रताप

आज पश्चिमी मनोविज्ञान इस स्थिति में पहुंचा जहाँ दबे स्वर में स्वीकारा जा रहा कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते। सुख-दुःख मनुष्य की अनुभूति के ही परिणाम हैं, उसकी मान्यता, कल्पना एवं अनुभूति विशेष के ही रूप में सुख-दुख का स्वरूप बनता है।

रामचरितमानस एक ओर राम का जीवन चरित्र व मनुष्य जाति के अनुभवों का उत्कट निचोड़ है तो दूसरी ओर यह 'नाना पुराण निगमागम सम्मतं यद' होकर सनातन धर्म के सभी मानक ग्रंथों के अंक स्वरूप भी है, जिसे मानस के अंत में 'छहों शास्त्र सब ग्रन्थन को रस' कह कर दोबारा पुष्ट कर दिया गया है। मनुष्य से पुरुषोत्तम बनकर यानि मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की यात्रा के पथ प्रदर्शक श्रीराम हैं। अपने भीतर छिपी संभवना और सुख-शांति की अभीप्सा को पूरा कर सकने की आकांक्षा के बीच, रामचरितमानस में राम इस मार्ग का संकेत हैं कि मनुष्य के स्वरूप को चरितार्थ करने और उससे ऊपर उठने और अपने भीतर निहित संभावनाओं को साकार करने का कोई लघुमार्ग (शॉर्टकट) नहीं है।

पारिवारिक, सामाजिक और लौकिक जीवन के कर्तव्य परायणता में राम ने अपने आचरण और व्यवहार से जो मानक स्थापित किए, उन मानकों में यह संभावना हमेशा निहित रही कि व्यक्ति का व्यवहार, परिस्थिति के अनुसार भले बदलता रहे, लेकिन उसका अंतरंग स्थिर रहे। मानव उन्हीं मूल्यों का प्रतिनिधित्व करे जो शाश्वत हो, जो मनुष्य और समाज के लिए हमेशा उपयोगी और ऊंचा उठाने वाले हों। उदाहरण के लिए परिवार को ही ले, राम में परिवार के अनुशासन, सबके प्रति विश्वास, एक-दूसरे के सुखों और इच्छाओं का निर्वाह और उनके लिए त्याग की भावना का महत्व रहा है। इन मूल्यों का निर्वाह रामचरित के हर प्रसंग में होता दिखाई देता है। क्षण भर में राजमुकुट धारण कर राम बनने वाले बनवासा और सुख-बनने हेतु बलकल वस्त्र पहन लेते हैं और पिता के वचनों एवं माता कैकेयी के प्राप्त वरदान हेतु वन जाने हेतु निकल जाते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में राम ने एक ओर मर्यादाओं को

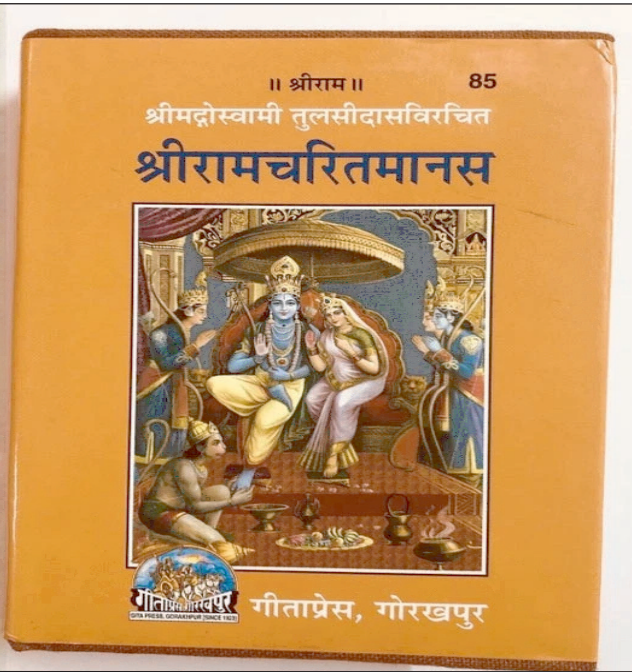
प्रतिष्ठा की तो दूसरी ओर उन्होंने जहां जरूरी समझा, वहां मान्यताओं में दखल भी दिया। शूर्पणखा का अंग-भंग, अहिल्या को पुनर्जीवन और प्रतिष्ठा, एक पत्नीव्रत, बाली उद्धार, शबरी उद्धार, विभीषण को लंका का राज दे देना आदि कई प्रसंग हैं, जिनमें वह परंपरा से हटकर काम करते हैं। यह सब करते हुए वह धर्म-मर्यादा की स्थापना ही कर रहे होते हैं क्योंकि मर्यादा की स्थापना ही धर्म की शाश्वतता को बनाये रखती है। यदि यज्ञाग्नि भी मर्यादा का उल्लंघन करे तो उसे जल के द्वारा निर्यंत्रित करने का विधान धर्म का ही है। यदि इन कामों को पारिवारिक और सांस्थानिक रचनाओं के भरोसे छोड़ा जाता तो संभवतः

पंचायतें, न्यायालय, दंडाधिकारी और समितियों को उन नतीजों पर पहुंचने में वर्षों लग जाते और न्याय की प्रक्रिया संपन्न होते-होते वह अर्थहीन व अनुपयोगी हो जाते। **टूटते संयुक्त परिवारों का सहारा है राम परिवार**
इन दिनों परिवार का ढांचा बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। कई जगह तो नौकरी के कारण पति-पत्नी और बच्चों के लिए भी अलग तरह से सोचना और व्यवस्था बनानी पड़ रही है। ऐसे में जब कि ज्ञान परम्परा का एक पीढ़ी से दूसरी में प्रवाह बाधित हो गया है तो राम का चरित्र, मूल्य, व्यवहार और आदर्शों की यशोगाथा को समेटे श्री रामचरितमानस/रामायण जीवन का संविधान बन सकता है। आज के बड़े-बड़े फैमिली सलाहकार अपनी सलाह में परिवारों में यही अंतिम सत्य बताते हैं कि परिवार वह इकाई है जहाँ आप तर्कों और जय-पराजय से समाधान नहीं पा सकते अपितु त्याग के द्वारा कर्तव्य पालन करके ही सुख शांति प्राप्त करेंगे। यह मान्यता भारत में त्रेतायुग में



ही प्रभु राम के जीवन से स्थापित हो चुकी थी। राम परिवार के आदर्श-स्नेह, सहयोग, सद्भाव और विश्वास को आधार बनाकर आपसी संबंधों, कर्तव्यों और दायित्वों को समझा और निबाहा जा सकता है। जब राम, लक्ष्मण और सीता वनवास संपन्न कर अयोध्याजी वापस आते हैं तो माता कौशल्या ने मिलते ही सबसे पहले लक्ष्मण से आकुल होकर पूछा कि मुझे दिखाओ तुम्हें शक्ति कहाँ लगी थी, पुत्र तुम्हें कितनी वेदना से गुजरना पड़ा ! लक्ष्मण जी ने इसका उत्तर दिया, 'वेदना राघवेन्द्रस्य केवलं ब्रणितो वयम्' (वाल्मीकि रामायण) अर्थात् हमें तो केवल घाव हुआ था, वेदना तो बड़े भाई राम को हुई थी। बस यही राम का सार है की सभी एक-दूसरे के भाव, प्रेम, हर्ष और विषाद में एकरस हो जाएँ।

राम जी के छोटे भाई भरत जी का चरित्र तो ऐसा है की कहीं-कहीं उनकी श्रद्धा, समर्पण और मर्यादा रूपी हिमालय के आगे रामजी लघु प्रतीत होते हैं। भाई की चरण पादुका से राज चलाना और स्वयं नंदीग्राम में भूमि पर सोना और पर्णकुटी में रहना।



जिससे उसे अपने प्रत्युपकार के लिए उचित अवसर मिले (वा. रामायण)। भगवान राम के समय में सनातन संस्कृति के वैचारिक मानदंडों पर विचार करें और उस काल खंड में संसार की अन्य संस्कृतियों के विकास से तुलना करें तो सहज ही आपको यह अनुभव होगा कि राम और अयोध्या के समाज का उत्कृष्ट सामाजिक एवं पारिवारिक मूल्य कितना ऊँचा था और संसार भर में क्यों प्रासंगिक हुआ।

सुख-दुःख की अनुभूति
आज पश्चिमी मनोविज्ञान इस स्थिति में पहुंचा जहाँ दबे स्वर में स्वीकारा जा रहा कि सुख-दुःख वास्तव में भौतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं करते। सुख-दुःख मनुष्य की अनुभूति के ही परिणाम हैं, उसकी मान्यता, कल्पना एवं अनुभूति विशेष के ही रूप में सुख-दुःख का स्वरूप बनता है। जैसा मनुष्य का भावना स्तर होगा उसी के रूप में सुख-दुःख की अनुभूति होगी। एक ओर जहाँ पश्चिमी संसार सुख को परिभाषित करने में भौतिक संसाधनों के अंतहीन दौड़ में लगा है वहीं सनातन धर्म में सुख-

दुःख का विमर्श एक साथ त्रेतायुग से होता आया है। हम मानते हैं कि सुख और दुःख दो भिन्न अवस्थाएँ होते हुए भी एक-दूसरे के पूरक हैं।

मृत्युशैल्या पर पड़े हुए दशरथ से मंत्री सुमंत्र कहते हैं-

जनम मरन सब दुख सुख भोगा। हानि लाभ प्रिय मिलन बियोगा॥ काल करम बस होहि गोसाईं। बरबस रात्रि दिवस की नाई।

सुख हरषर्षह जड़ दुख बिलखाहीं। दोड़ सम धीर धरर्षह मन भाहीं॥ अर्थात् जन्म-मरण, सुख-दुःख के भोग, हानि-लाभ, प्यारों का मिलना-बिछुड़ना, ये सब हैं स्वामी, काल और कर्म के अधीन रात और दिन की तरह बरबस होते रहते हैं। मूख लोग सुख में हर्षित होते और दुःख में रोते हैं, पर धीर पुरुष अपने मन में दोनों को समान समझते हैं। (मानस)

श्रीराम, कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता

भगवान श्रीराम एवं उनके समाज का चिंतन केवल रावण को मारकर सीता माता की प्राप्ति तक सीमित कर देना उचित नहीं है, जैसा कि आज के डिजिटल विमर्श में चहुँओर दिखाई दे रहा है। आज जबकि भारतीय समाज एकजूट होकर श्री अयोध्या जी में प्रभु राम का भव्य मंदिर बना रहा है तो ऐसे में हम सभी को समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यानि अपने परिवार के प्रबोधन पर विशेष बल देना चाहिए। ऐसे में राम के सामाजिक, पारिवारिक एवं कर्तव्य आधारित चिंतन का परिवार के साथ प्रतिदिन 10 मिनट बैठकर विमर्श अवश्य करना चाहिए। बच्चों को अगले दिन राम के ऊपर बलना चाहिए। चिंतन बिंदु दें जिससे उनके भीतर भी संस्कार की ज्योति जल सके। घर में एक रामचरितमानस रखें और सप्ताह में एक बार पूरा परिवार एक साथ बैठकर उसका पाठ अवश्य करें।

-शिवेश प्रताप
(लेखक शिवेश प्रताप, धर्म-संस्कृति के अध्येता हैं तथा प्रभुराम के डिजिटल विश्वकोश RamCharit.in के फाउंडर हैं।)

कब है मकर संक्रांति? 14 या 15 जनवरी को लेकर दूर करें कंप्यूजन, अयोध्या के ज्योतिषी से जानें शुभ मुहूर्त

सर्वेश श्रीवास्तव/अयोध्या : हिंदू पंचांग के मुताबिक हर वर्ष पौष महीने में सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने की तिथि को मकर संक्रांति कहा जाता है. सनातन धर्म में मकर संक्रांति का विशेष महत्व होता है. इस दिन सूर्य देव दक्षिणायन से उत्तरायण हो जाते हैं. इस दिन सनातन धर्म को मानने वाले लोग सूर्य देव की विशेष पूजा उपासना करते हैं. इतना ही नहीं मकर संक्रांति तिथि पर सूर्य देव उत्तरायण होते हैं. सनातन धर्म में सूर्य के उत्तरायण होने का विशेष महत्व भी बताया गया है.

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि 15 जनवरी को देर रात्रि 2:43 पर सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे. सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करते ही मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है. साल 2024 में मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा. प्रत्येक वर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है. जिसमें पूजा आराधना करने का शुभ मुहूर्त प्रातः काल 7:15 से लेकर शाम 5:46 तक रहेगा.

मकर संक्रांति पर सूर्य देव को दें अर्घ्य

इतना ही नहीं मकर संक्रांति के मौके पर देशभर में बड़े धूमधाम के साथ इस पर्व को मनाया जाता है. मकर संक्रांति के मौके पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान ध्यान पूजा पाठ और जप के साथ ही दान पुण्य भी करते हैं. इस दिन भगवान सूर्य को अर्घ दिया जाता है. साथ ही इस दिन पीले वस्त्र धारण करके सूर्य देव को जल अर्पित करना चाहिए. पूजा के समय सूर्य चालीसा का पाठ करना चाहिए. ऐसा करने से सुख-दुख शांति और धन वृद्धि में उन्नति मिलती है. इस दिन दान स्नान का भी विधान है. इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने के बाद तिल गुड़ और खिचड़ी तथा वस्त्रों का दान करना चाहिए. ऐसा करने से सभी तरह के पुण्य की प्राप्ति होती है.



संसद की सुरक्षा में सेंधमारी का साजिशकर्ता कौन ? जांच एजेसियों के लिए पता लगाना बड़ी चुनौती

परिवहन विशेष न्यूज

जिस तरह 13 दिसंबर को संसद के अंदर घुसकर आरोपित वारदात को अंजाम देने में सफल हो गए। उससे जांच एजेंसियों को आशंका है कि इनके पीछे कुछ बड़े चेहरे हैं जिन्होंने बड़े स्तर पर साजिश रचकर गिरफ्तार आरोपितों के जरिए वारदात को अंजाम दिलाया है। पुलिस और जांच एजेंसियों के सामने असली साजिशकर्ता का पता लगाने के लिए बड़ी चुनौती है।

नईदिल्ली। संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में आरोपितों के मोबाइल फोन बरामद न होने पर साजिशकर्ताओं के बारे में पता लगाना दिल्ली पुलिस व केंद्रीय एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। जिस तरह की साजिश रचकर आरोपित संसद के अंदर घुसकर वारदात को अंजाम देने में सफल हो गए।

साजिश के पीछे बड़े चेहरे की आशंका

उससे जांच एजेंसियों को आशंका है कि इनके पीछे कुछ बड़े चेहरे हैं जिन्होंने बड़े स्तर पर साजिश रचकर गिरफ्तार आरोपितों के जरिए वारदात को अंजाम दिलाया है।



ललित झा व महेश कुमार के घरों व अन्य सभी ठिकानों पर छापमारी कर गहन तलाशी ली जा चुकी है, लेकिन जांच एजेंसी को कोई अहम सुबूत बरामद नहीं हो सका, जिसकी जांच करने से साजिशकर्ताओं के बारे में पता लग सके। सभी के रिमांड की अवधि अब समाप्त होने पर है। ऐसे में सुबूत इकट्ठा करने के लिए स्पेशल सेल दोबारा सभी को रिमांड पर लेने पर विचार कर रही है। हो सकता है कि कोर्ट दोबारा स्पेशल सेल को आरोपितों की रिमांड न भी दे, क्योंकि सात दिनों के दौरान पुलिस जब आरोपितों के घरों व अन्य ठिकानों से कोई महत्वपूर्ण सुबूत बरामद नहीं कर सकी है तब आगे भी पुलिस को कुछ मिलना मुश्किल होगा।

बैंक खातों में भी नहीं मिला अधिक पैसा

जांच एजेंसी के पास संसद के बाहर व अंदर के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज अहम

98% सरकारी स्कूल के टीचरों के बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं सिर्फ 2% सरकारी में



नईदिल्ली। आरटीआई में शिक्षा निदेशलय ने बताया... 98% सरकारी स्कूल के टीचरों के बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं और सिर्फ 2% सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। दिल्ली में सरकार के दावे बहुत बड़े-बड़े हैं की टीचरों को विदेश भेजा जा रहा है अच्छी शिक्षा लेकर आ रहे लेकिन खुद अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ना पसंद नहीं करते। दिल्ली में किसी भी निगम पार्श्व, एमएलए का बच्चा सरकारी स्कूल में नहीं पढ़ता। मेरा मानना सिर्फ इतना है सरकारी स्कूलों के अध्यापकों की तनखाह एक-एक लाख रुपए तक होती है और प्राइवेट स्कूल के टीचरों की सैलरी 20 से 25000 हजार है तो मैं क्या यह माना जाए 25000 से 30000 सैलरी पाने वाला प्राइवेट टीचर अच्छा है और जो 1लाख रुपए सैलरी प्राप्त करने वाला पढ़ाने में ठीक नहीं।

राम चंद (चंद्र चौरसिया,) आरटीआई कार्यकर्ता

बच्ची का अभी तक नहीं मिला शव, चार दिन से तलाश जारी; मकान मालिक ने किया था दुष्कर्म, फिर नहर में फेंका

दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में नौ साल की बच्ची के शव की तलाश अभी भी जारी है। लगातार चौथे दिन भी चौथे दिन भी मुनक नहर में बच्ची की तलाश का जा रही है। इस काम में एनडीआरएफ की कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस नहर के साथ झाड़ियों में भी बच्ची की तलाश कर रही है।

नईदिल्ली। दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में नौ साल की बच्ची के शव की तलाश अभी भी जारी है। लगातार चौथे दिन भी चौथे दिन भी मुनक नहर में बच्ची की तलाश का जा रही है। इस काम में एनडीआरएफ की कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस नहर के साथ झाड़ियों में भी बच्ची की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि 52 वर्षीय मकान मालिक ने 12 दिसंबर को कथित तौर पर बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद गला घोटकर हत्या की, फिर उसका शव मुनक नहर में फेंक दिया, जिसका



सुबह और शाम शीतलहर से बढ़ी ठंड, राजधानी में कोहरा भी बढ़ाएगा मुश्किल; आज कैसा रहेगा मौसम ?

दिल्ली-एनसीआर में ठंड का दौर शुरू हो गया है। मंगलवार को दिल्ली के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भले कुछ वृद्धि हुई लेकिन उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही बर्फाली हवाओं के चलते ठिठुरन भरी ठंडक भी देखने को मिली। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 7.8 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को यह भी 7.1 डिग्री रहा था।

नईदिल्ली। मंगलवार को दिल्ली के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भले कुछ वृद्धि हुई, लेकिन उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही बर्फाली हवाओं के चलते ठिठुरन भरी ठंडक भी देखने को मिली। सोमवार को जहां अधिकतम तापमान 22.3 डिग्री सेल्सियस रहा था, वहीं मंगलवार को बढ़कर 23.5 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है। आज दोपहर



सोनीपत के व्यापारी ने की आत्महत्या, मरने से पहले बनाया वीडियो; सुसाइड का बताया ये कारण

राजेंद्र नगर के रहने वाले पशु आहार विक्रेता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उन्होंने वीडियो बनाकर पांच लोगों पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पांच लोग उनके पिता को पैसों के लेनदेन में प्रताड़ित कर रहे थे। उन्हें जातिपूचक शब्द भी कहे जाते थे। साथ ही आरोपित उनकी पशु आहार काटने की मशीन उठा ले गए थे।

सोनीपत। राजेंद्र नगर के रहने वाले पशु आहार विक्रेता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उन्होंने वीडियो बनाकर पांच लोगों पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पांच लोग उनके पिता को पैसों के लेनदेन में प्रताड़ित कर रहे थे। उन्हें जातिपूचक शब्द भी कहे जाते थे। साथ ही आरोपित उनकी पशु आहार काटने की मशीन उठा ले गए थे और उसे बेच दिया था। आरोप है कि उनका घर भी अपने नाम करा लिया था। अब उन पर घर खाली करने का दबाव बनाया जा रहा था।

बेटे के बयान पर मुकदमा दर्ज

पुलिस ने मुक्त के बेटे के बयान पर आत्महत्या को विवश करने का आरोप लगाया है। शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है।

व्यापार चल रहा था मंदा

राजेंद्र नगर के रहने वाले आशुतोष ने पुलिस को बताया कि उनके पिता मनोज कुमार पशु आहार विक्रेता थे। उसके पिता का राजेश, मंजीत, पवन, विनोद व मास्टर से लेनदेन था। उनके पिता का व्यापार मंदा चल रहा था, जिसके चलते यह सभी उनके पिता पर रुपये देने का दबाव बना रहे थे। उन्होंने उनके पिता पर दबाव बनाकर उनका घर अपने नाम करा लिया था। वह उनके घर आकर गाली-गलौज करते थे और पिता को जाति के लेकर भी प्रताड़ित करते थे, जिससे तंग आकर उनके पिता ने आत्महत्या कर ली। उनके पिता ने आत्महत्या से पहले वीडियो रिकार्डिंग भी की है।

जैकलीन फर्नांडीज को 'लव लेटर' नहीं लिख पाएंगे सुकेश चंद्रशेखर ? अभिनेत्री ने बयान देने पर रोक की मांग की

फर्नांडीज ने सुकेश चंद्रशेखर को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी पत्र संदेश या बयान जारी करने से रोकने के निर्देश देने की मांग की। बॉलीवुड अभिनेत्री ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि सुकेश चंद्रशेखर लगातार पत्र के माध्यम से परेशान कर रहे हैं। अभिनेत्री ने कहा कि मीडिया के माध्यम से सामने आए ये पत्र उनके लिए चिंताजनक और परेशान करने वाला माहौल बनाते हैं। उनका व्यापक प्रकाशन धमकी और उल्टी डन को बढ़ाता है, जिससे आवेदक की सुरक्षा और भलाई पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

ईओडब्ल्यू ने जैकलीन के आवेदन का किया समर्थन

दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक



अफेंस विंग ने जवाब में जैकलीन के आवेदन का समर्थन किया। ईओडब्ल्यू ने कहा कि सुकेश चंद्रशेखर को आवेदक के संबंध में पत्र भेजने की आदत है, जोकि न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि उसके सामाजिक और व्यवसायिक कार्यों को भी प्रभावित करता है।

ईओडब्ल्यू ने कहा कि अभियोजन पक्ष के बयान को साबित करने के लिए वह वर्तमान मामले में एक महत्वपूर्ण गवाह है। दलीलों पर गौर करते हुए निचली अदालत के न्यायाधीश ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 17 जनवरी, 2023



के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। **जैकलीन को सुकेश ने कई बार लेटर लिखा**

बता दें कि दिल्ली की लिहाड़ जेल में बंद ठग सुकेश चंद्र शेखर ने अभिनेत्री जैकलीन को कई बार लव लेटर लिख चुके हैं। सुकेश ने हाल ही में थैक्सगिविंग और क्रिसमस के

मौके लेटर लिखा है। इसके अलावा सितंबर महीने में लिखे एक पत्र में सुकेश की तरफ से दावा किया गया कि जैकलीन के सपने पूरे करने के लिए वह बंगलुरु में कुत्त, बिल्लियों और घोड़ों के लिए एक विश्व स्तरीय सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण करा रहा है।

25000 हजार देकर मात्र इतने रुपये की मासिक EMI पर अपना बना लें Honda का ये स्कूटर, जानें क्या है पूरा प्लान

होंडा एक्टिवा को EMI पर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यहां एक अच्छा प्लान बताया गया है। इसे लेने के लिए अगर आप 25000 हजार रुपये का डाउनपेमेंट करते हैं तो इसके लिए 2327 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से EMI बनेगी। इस ईएमआई की समय अवधि 36 महीने की होगी और इस पर 10 प्रतिशत का इंटरैस्ट देना पड़ेगा।

नई दिल्ली। अगर आप नया स्कूटर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो Honda Activa 6G आपके लिए सही ऑप्शन बन सकता है। इसे लेने के लिए आपके पास अगर पर्याप्त बजट नहीं है तो निराश होने की कोई बात नहीं है क्योंकि हम यहां इसे लेने के लिए 25,000 रुपये के डाउनपेमेंट के साथ EMI प्लान बताने वाले हैं। चलिए इसके बारे में जान लेते हैं।

Honda Activa 6G के लिए EMI प्लान
इसे लेने के लिए अगर आप 25000 हजार रुपये का भी डाउनपेमेंट करते हैं तो इसके लिए 2327 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से EMI बनेगी। इस ईएमआई की समय अवधि 36 महीने की होगी और इस पर 10 प्रतिशत का इंटरैस्ट देना पड़ेगा। इस हिसाब से देखें तो स्कूटर को लेने के लिए आपको लगभग 65,000 हजार रुपये का लोन कराना होगा।

होंडा के स्कूटर की कीमत
इस स्कूटर के स्टैंडर्ड वैरिएंट की एक्सशोरूम कीमत 89,843 रुपये दिल्ली है। जिसमें 76,234 रुपये इसकी असल कीमत है, इसमें 6,698 रुपये का आरटीओ, 5,986 रुपये का इंश्योरेंस (Comprehensive), 675 रुपये एक्सटेंडेड वारंटी और 250 रुपये अतिरिक्त शुल्क के रूप में देने होंगे। स्कूटर 9 कलर ऑप्शन के साथ आता है।

क्या है स्कूटर की खूबियां?
इस स्कूटर में 109.51cc का एयर कूलड इंजन प्रदान किया जाता है। यह इंजन 8000 rpm पर 7.73

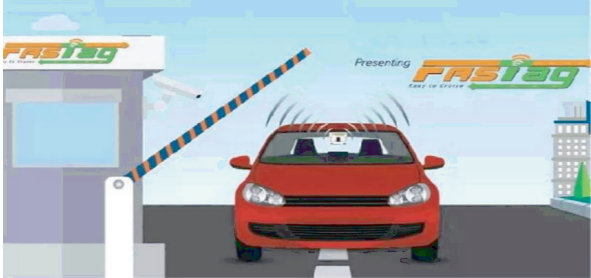


बीएचपी की शक्ति और 5500 आरपीएम पर 8.90 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसमें ऑटोमैटिक

सीवीटी ट्रांसमिशन दिया गया है। इसकी टॉप स्पीड 85 किमी/प्रतिघंटा की है। इसके अलावा स्कूटर में

सीबीएस ब्रेकिंग सिस्टम, एनालॉग इंस्ट्रूमेंट कंसोल, स्पीडोमीटर मिलता है।

गलती से कट गए FASTag से पैसे तो ऐसे पाएं वापस , बस रखें इन बातों की खयाल



FASTag के जरिए आप टोल टैक्स पर पेमेंट ऑनलाइन कर सकते हैं। इससे आपका काम आसान हो जाता है। आप कही भी अपनी कार पार्क करते हैं तो पैसे निकाल कर आपको देने की जरूरत नहीं होती है। लेकिन कई बार गलती से फास्टेग से पैसे कट जाते हैं क्या आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप इसकी शिकायत भी कर सकते हैं और पैसे वापस भी आ जाते हैं।

नई दिल्ली। FASTag के जरिए आप टोल टैक्स पर पेमेंट ऑनलाइन कर सकते हैं। इसमें रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। इससे आपका काम आसान हो जाता है। आप कही भी अपनी कार पार्क करते हैं तो पैसे निकाल कर आपको देने की जरूरत नहीं होती है। लेकिन कई बार गलती से फास्टेग से पैसे कट जाते हैं क्या आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप इसकी शिकायत भी कर सकते हैं और पैसे वापस भी आ जाते हैं।

टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर सकते हैं
कभी-कभी ऐसा होता है कि दिक्कत के कारण फास्टेग से पैसे कट सकते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप शिकायत करके पैसे वापस कर सकते हैं। आमतौर पर शिकायत करने के बाद 30 दिन के भीतर आपको पैसे लौटा दिए जाते हैं। आप शिकायत करने के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर सकते हैं, इसका टोल फ्री नंबर 1033 है।

पैसे 30 दिनों के अंदर वापस आ सकता है
अगर आपका पैसा गलत तरीके कट गया है तो शिकायत करने के बाद ये पैसे 30 दिनों के अंदर वापस आ सकता है। पैसा वापस पाने के लिए एक और तरीका है, अगर गलत तरीके से पैसा कटा है तो आप फास्टेग जारी करने वाले बैंक के हेल्पलाइन नंबर पर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। ऐसे बैंक भी हैं जो फास्टेग से जुड़े हुए हैं और यूजर की समस्याओं का समाधान भी करते हैं। अगर आपको जानना है तो आप नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन वेबसाइट आफ इंडिया (एनसीपीआई) की वेबसाइट पर क्लिक करके हेल्पलाइन नंबर जान सकते हैं।

हेलमेट पहने का सही तरीका, खरीदने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, जानें इसका महत्व?

कई लोग पुलिस से बचने के लिए सड़क के किनारे से हेलमेट खरीद लेते हैं जिसका खामियाजा उन्हें आगे चलकर भुगतना पड़ता है। हेलमेट खरीदें समय आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप काले रंग के वाइजर वाला हेलमेट न खरीदें। काले रंग के वाइजर से रात में बाइक चलाने के समय काफी दिक्कत होती है। हेलमेट के साइड में लगे आईएसआई सर्टिफिकेशन वाला मार्क जरूर चेक करें।

दिल्ली। देश में हर साल कितने लोगों की मौत सड़क दुर्घटना के कारण होती है। कई हादसे मोटरसाइकिल के कारण होते हैं क्योंकि कुछ लोग बाइक चलाते समय हेलमेट नहीं पहनते हैं। जिसके कारण सबसे अधिक परेशानी होती है। जो लोग हेलमेट नहीं पहनते हैं तो ट्रैफिक पुलिस उनका चालान काटती है। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से आपको बताने जा रहे हैं हेलमेट पहनने के महत्व और सही हेलमेट की पहचान के बारे में।

हेलमेट पहनने के महत्व?
हिर में चोट लगने से मौत जल्दी हो जाती है। इसलिए हेलमेट का काम राइडर के सिर की

हिफाजत करना होता है। हादसे में जब राइडर गिरता है तो हेलमेट उसकी मदद करता है। इसके कारण आपका सर महफूज रहता है।

सही हेलमेट का चुनाव कैसे करें?
जब भी आप अपने लिए एक नया हेलमेट खरीदने जाएं तो उस समय हेलमेट के साइड में लगे आईएसआई सर्टिफिकेशन वाला मार्क जरूर चेक करें। इससे पता चलता है कि ये हेलमेट पहनने में सेफ है और आपकी सुरक्षा कर सकता है।

इस बात का ध्यान रखना चाहिए
हेलमेट खरीदें समय आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप काले रंग के वाइजर वाला हेलमेट न खरीदें। काले रंग के वाइजर से रात में बाइक चलाने के समय काफी दिक्कत होती है, जबकि नार्मल वाइजर से आप किसी भी समय आसानी से बाइक चला सकते हैं।

पुलिस से बचने के लिए सड़क के किनारे से हेलमेट खरीद लेते हैं

कई लोग पुलिस से बचने के लिए सड़क के किनारे से हेलमेट खरीद लेते हैं जिसका खामियाजा उन्हें आगे चलकर भुगतना पड़ता है। ऐसे में आप को हेलमेट खरीदने में जल्दी नहीं करनी चाहिए और अपने फिटिंग के अनुसार ही खरीदें।



इस साल लॉन्च हुई ये टॉप कारें लोगों को आई काफी पसंद, इंजन भी दमदार

Year-End-2023 आज हम आपको इस खबर के माध्यम से मार्केट में लॉन्च हुई कई शानदार कारों की जानकारी देने जा रहे हैं। चलिए आपको इसके बारे में और भी विस्तार से बताते हैं। भारतीय बाजार में ये कार कुल चार ट्रिम्स- सिग्मा डेल्टा डेल्टा+ जेटा और अल्फा में आती है। इस कार की कीमत 7.46 लाख रुपये से 13.13 लाख रुपये के बीच है।

नई दिल्ली। ये साल ऑटो इंडस्ट्री के लिए काफी शानदार रहा है। इस साल कई दमदार कारें लॉन्च हुई हैं। इसमें कई प्रीमियम और एसयूवी कारें भी मौजूद हैं। आज हम आपको इस खबर के माध्यम से मार्केट में लॉन्च हुई कई शानदार कारों की जानकारी देने जा रहे हैं। चलिए आपको इसके बारे में और भी विस्तार से बताते हैं।

Maruti Fronx
भारतीय बाजार में ये कार कुल चार ट्रिम्स- सिग्मा, डेल्टा, डेल्टा+, जेटा और अल्फा में आती है। इस कार की कीमत 7.46 लाख रुपये से 13.13 लाख रुपये के बीच है। इसमें दो इंजन ऑप्शन -1-लीटर टर्बो पेट्रोल बूस्टरजेट (100पीएस/148एनएम) माइल्ड-हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ और 1.2-लीटर ड्यूलजेट पेट्रोल (90पीएस/113एनएम) मिलता है। इसमें 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ सीएनजी का भी ऑप्शन मिलता है।

Maruti Jimny
इस साल मारुति ने अपनी सबसे दमदार कार लॉन्च की है। ये कार जेटा और अल्फा में आती है। इसे जून में लॉन्च किया गया था। इस कार की कीमत 12.74 लाख रुपये से 15.05 लाख रुपये है। इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है। जो 105पीएस पावर और 134एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 5 स्पीड मैनुअल और 4-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स ऑप्शन मिलता है।

Hyundai Exter
हुंडई एक्सटर माइक्रो एसयूवी है। यह भारत में कंपनी की सबसे छोटी और किफायती एसयूवी में से एक है। इस कार की कीमत 6 लाख रुपये से 10.15 लाख रुपये तक है। इसमें 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन है, जो 83 पीएस/114 एनएम जनरेट करता है। इसके साथ ही इसमें सीएनजी प्यूल ऑप्शन मिलता है। ये सीएनजी में 27.1km/kg माइलेज देती है।

Honda Elevate
Honda का ईंडिया ने सितंबर 2023 में एलिवेट एसयूवी को लॉन्च किया है। ये कार चार ट्रिम्स- एसवी, वी, वीएक्स और जेडएक्स में आती है। इसकी कीमत 11 लाख रुपये से 16 लाख रुपये के बीच है। इसमें 1.5 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। जो 121 पीएस/145 एनएम जनरेट करता है। इसमें 6 स्पीड का मैनुअल और सीवीटी का ऑप्शन मिलता है।



सहारा समूह के निवेशकों का एक-एक पैसा लौटाया जाएगा, कंपनी की सहकारी समितियों में फंसे हैं 80 हजार करोड़ रुपये

केंद्र सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि सहारा समूह के 3 करोड़ निवेशकों ने कंपनी की सहकारी समितियों में फंसे 80000 करोड़ रुपये वापस लेने की मांग की है। सरकार ने बताया कि 80000 करोड़ रुपये वापस पाने के लिए अब तक 3 करोड़ निवेशकों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि सहारा समूह के तीन करोड़ निवेशकों ने कंपनी की सहकारी समितियों में फंसे 80 हजार करोड़ रुपये वापस लेने की मांग की है।

सरकार दोबारा जाएगी सुप्रीम कोर्ट
सहारा समूह से अधिक धनराशि पाने के लिए सरकार फिर से सुप्रीम कोर्ट जाएगी। सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने निवेशकों के लिए एक पोर्टल लॉन्च किया है, जहां वे अपने फंसे पैसे पाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। वर्मा ने कहा कि अब तक तीन करोड़ निवेशकों ने 80 हजार करोड़ रुपये वापस पाने के लिए पोर्टल पर पंजीकरण कराया है।

उन्होंने कहा कि हमने 45 दिनों में निवेशकों को पैसा लौटाने की प्रक्रिया शुरू की है। हमें पांच हजार करोड़ रुपये मिल गए हैं। हम सभी निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए और अधिक धनराशि प्राप्त करने के लिए फिर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

इनसाइड

गिरावट के कारण आज एक दिन में निवेशकों के डूबे 8.91 लाख करोड़, जानिए किस सेक्टर में कितनी हुई गिरावट
बाजार में गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। निवेशकों की संपति 8.91 लाख करोड़ रुपये कम हुई है। आज सेंसेक्स 930 अंक गिरकर 70506 पर और निफ्टी 302 अंक गिरकर 21150 पर आ गया। सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन (एमकैप) 8917294.3 करोड़ रुपए घटकर 3519998.7 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। जानिए किस सेक्टर में कितनी हुई गिरावट।

नई दिल्ली। बुधवार 20 दिसंबर यानी आज बाजार में आए तेज गिरावट के कारण निवेशकों की संपति में भी काफी देखने को मिला है। आज इक्विटी निवेशक की संपति 8.91 लाख करोड़ रुपये घटी है। आज सेंसेक्स अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचने के बाद 930 अंक गिरकर 70,506 और निफ्टी 302 अंक गिरकर 21,150 के स्तर पर आ गया। बीएसई लिस्टेड कंपनी का एमकैप 8,91,729.43 करोड़ रुपये गिरकर 3,50,19,998.87 करोड़ रुपये हो गया। पीटीआई को मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रभात तापसे ने कहा, बाजार पिछले कुछ समय से रिकॉर्ड-सेटिंग की दौड़ में थे और ओवरबॉट जोन में थे, इसलिए मुनाफावसूली के रूप में हिचकी आने की उम्मीद थी जो आज सामने आई। सभी सेक्टरों में रिडेम्प्शन देखा गया और यहां तक कि मिड और स्मॉल-कैप शेयर भी मजबूत मंदी की चपेट में आ गए। सेंसेक्स में सिर्फ एक कंपनी हरे निशान पर बंद

30 शेयरों वाले सेंसेक्स में सिर्फ देश का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक ही इकलौती कंपनी है जिसके स्टॉक आज हरे निशान पर बंद हुए। वहीं आज टाटा स्टील का स्टॉक आज सबसे अधिक 4.21 प्रतिशत गिरे हैं। इसके अलावा एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में भी गिरावट रही।

किस सेक्टर में कितनी गिरावट ?
आज बीएसई मिड कैप 1129 अंक गिरकर 35,056 के स्तर पर बंद हुआ वहीं बीएसई स्मॉल कैप 1448 अंक टूटकर 40,879 पर बंद हुआ। आज कुल 3,177 शेयरों में गिरावट आई जबकि 658 शेयरों में तेजी रही और 86 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यूटिलिटी सेक्टर 4.65 प्रतिशत, टेलीकॉम सेक्टर 4.36 प्रतिशत, पावर सेक्टर 4.33 प्रतिशत, सॉफ्स सेक्टर 4.20 प्रतिशत, मेटल सेक्टर 3.57 प्रतिशत, कर्मांडिटो 3.51 प्रतिशत, इंडस्ट्रियल सेक्टर 2.85 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स 2.83 प्रतिशत और उपभोक्ता स्वनियंत्रण 2.55 प्रतिशत टूटा।



एक-एक पैसा लौटाया जाएगा राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा सहारा समूह के निवेशकों का एक-एक पैसा लौटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई निवेशकों को उनका पैसा वापस मिल गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पोर्टल पर प्रक्रिया से गुजरने वाले सभी निवेशकों को उनका पैसा वापस मिलेगा।

दंपती ने स्पाइसजेट में भरी जान, खरीदी 19% हिस्सेदारी; 1100 करोड़ रुपये किया निवेश

मुंबई के कारोबारी दंपति हरिहर महापात्र और उनकी पत्नी प्रीति ने विमानन कंपनी स्पाइसजेट में 1100 करोड़ रुपये के बड़े निवेश की घोषणा की है। स्टॉक एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में स्पाइसजेट ने कहा कि इस निवेश के साथ दंपति ने स्पाइसजेट में 19 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। इसके बाद कंपनी के प्रमोटर की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से भी कम हो गई है।

नई दिल्ली। मुंबई स्थित एक कारोबारी दंपती हरिहर महापात्र और उनकी पत्नी प्रीति ने विमानन कंपनी स्पाइसजेट में 1,100 करोड़ रुपये के बड़े निवेश का एलान किया है। स्पाइसजेट के बोर्ड ने 2250 करोड़ रुपये के निवेश की दी थी मंजूरी मजबूत करने और इसे आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी के प्रमोटर की हिस्सेदारी निवेश को शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद कंपनी के प्रमोटर अजय सिंह की हिस्सेदारी 56.49 प्रतिशत से घटकर 38.55 प्रतिशत हो जाएगी। वर्तमान में सिंह की 37.9 प्रतिशत हिस्सेदारी विभिन्न बैंकों के पास गिरवी है आज बीएसई पर कंपनी का स्टॉक 8.85 प्रतिशत यानी 5.85 रुपये गिरकर 60.23 रुपये पर बंद हुआ।

सोने की गिरावट पर लगा ब्रेक, आज इतना महंगा हुआ गोल्ड और सिल्वर

बुधवार को सराफा बाजार में सोने और चांदी की नई कीमतें जारी हो गई हैं। आज सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। नई दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63000 रुपये है। अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपको अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करने चाहिए।

नई दिल्ली। बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। आज सराफा बाजार में गोल्ड और सिल्वर के लेटेस्ट रेट अपडेट हो गए हैं। अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए। आपको बता दें कि हर शहर में इनकी कीमत अलग होती है। आइए, जानते हैं कि आज आपका शहर में गोल्ड का लेटेस्ट रेट क्या है?

गोल्ड के लेटेस्ट रेट
वायदा कारोबार में बुधवार को सोने की कीमत 106 रुपये बढ़कर 62,582 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कर्मांडिटो एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 106 रुपये या 0.17 प्रतिशत बढ़कर 62,582 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 15,328 लॉट का कारोबार हुआ।



वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.18 प्रतिशत बढ़कर 2,055.70 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी के दाम में बढ़त बुधवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 186 रुपये बढ़कर 75,010 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, क्योंकि मजबूत हाजिर मांग के कारण प्रतिभागियों ने अपने सौदे बढ़ा दिए। मल्टी कर्मांडिटो एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 186 रुपये या 0.25 प्रतिशत बढ़कर 14,120 लॉट में 75,010 रुपये प्रति किलोग्राम

हो गया। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.88 प्रतिशत बढ़कर 24.41 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। चेक करें गोल्ड के लेटेस्ट रेट गुड रिटर्न के मुताबिक खबर लिखे जाने तक सोने की स्पाट कीमत विभिन्न शहरों में इस प्रकार है: दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है। नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,650 रुपये है। मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,650 रुपये है। कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है। बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,000 रुपये है। केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,050 रुपये है। सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,050 रुपये है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63,150 रुपये है।

काबू में नहीं आई महंगाई तो थम सकती है विकास की रफ्तार, मुद्रास्फीति कंट्रोल में रही तो घटेंगे ब्याज दर: RBI

परिवहन विशेष न्यूज
इस वर्ष मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के केंद्रीय बैंक के प्रयास काफी सफल रहे हैं लेकिन केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता से संतुष्ट नहीं है। आरबीआई का मानना है कि निकट भविष्य में 4% मुद्रास्फीति लक्ष्य हासिल किया जा सकता है लेकिन खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव और निवेश वृद्धि के मौजूदा तरीके से मुद्रास्फीति पर असर पड़ सकता है।

नई दिल्ली। इस साल महंगाई प्रबंधन को लेकर आरबीआई की तरफ से की गई कोशिशें काफी हद तक कामयाब रही हैं, लेकिन केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को थामने को लेकर संतुष्ट नहीं है। आरबीआई मान रहा है कि चार प्रतिशत की महंगाई दर का लक्ष्य आने वाले समय में हासिल किया जा सकता है, लेकिन खाद्य उत्पादों की कीमतों में अस्थिरता और अभी जिस तरह से निवेश बढ़ रहा है उसका असर महंगाई पर पड़ सकता है।

तेजी से जारी आर्थिक विकास को सहायता
आरबीआई ने साफ तौर पर कहा है कि अगर महंगाई को लक्ष्य के मुताबिक नहीं

लाया गया और उसे उसी स्तर पर बनाकर नहीं रखा गया तो तेज आर्थिक विकास दर भी डगमगा सकती है। केंद्रीय बैंक का यह बयान तब आया है जब दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर, 2023) में भारत की आर्थिक विकास दर अनुमान से ज्यादा यानी 7.6 प्रतिशत रही है। बुधवार को आरबीआई की तरफ से जारी मासिक रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था की स्थिति का विस्तार से वर्णन है। केंद्रीय बैंक का यह रुख पिछले कुछ महीनों से है। सितंबर और अक्टूबर के ताजे आंकड़े बता रहे हैं कि महंगाई का सबसे खराब दौर पीछे छूट गया है लेकिन अभी यह केंद्रीय बैंक के लक्ष्य (चार प्रतिशत) से ऊपर है। आरबीआई गवर्नर शक्ति कांत दास नेहाल ही में कहा था, पिछले महीनों में महंगाई के नीचे आने के बावजूद नीति-निर्धारकों को सतर्क रहना होगा। सतर्क इस बात से भी रहना होगा कि महंगाई के लिए खतरा किसी दूसरे माध्यम से कभी भी सामने आ सकता है। आने वाला समय ज्यादा अस्थिर हो सकता है, जो ज्यादा चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। हम उस काल में हैं जहां हमें हर कदम बहुत सोच-समझकर उठाना होगा। लक्ष्य के मुताबिक महंगाई दर घटी तो



कम हो सकती है ब्याज दर
आरबीआई की मासिक रिपोर्ट में महंगाई से जुड़े सारे पहलुओं को छुआ गया है। इसमें परोक्ष तौर पर यह संकेत भी दिया गया है कि अगर महंगाई दर लक्ष्य के मुताबिक घटकर

चार प्रतिशत पर आ सकती है तो ब्याज दरों में कटौती की भी गुंजाइश बनती है। इसमें यह भी कहा गया है कि निकट भविष्य में खाद्य महंगाई की दरों में बड़े उछाल की संभावना कम है। यह भी स्वीकार किया गया है कि कुछ

वर्गों से ब्याज दरों में कटौती करने या केंद्रीय बैंक की तरफ से दरों को मौजूदा स्तर पर ही बनाए रखने की मांग हो रही है। केंद्रीय बैंक मानता है कि सितंबर-अक्टूबर, 2023 की महंगाई की औसत दर (4.9 प्रतिशत) और

कम हो सकती है। आरबीआई ने वर्ष 2023-24 के लिए महंगाई की औसत दर 5.4 प्रतिशत और वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में घटकर 4.6 प्रतिशत कर दिया गया है।



भारत और न्यूजीलैंड ने व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए की बातचीत, निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल को मिलेगा बढ़ावा



आज एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारत और न्यूजीलैंड ने व्यापार बाधाओं को कम करने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अधिक निवेशक-अनुकूल वातावरण बनाने के उपायों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके न्यूजीलैंड समकक्ष टॉड मैक्ले ने इन मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा न्यूजीलैंड ने भारत की सराहना भी की है।

नई दिल्ली। अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। आज एक आधिकारिक बयान के मुताबिक भारत और न्यूजीलैंड (India-New Zealand Trade) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए व्यापार बाधाओं को कम करने और अधिक निवेशक-अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष टॉड मैक्ले ने इन मुद्दों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, दोनों मंत्रियों ने व्यापार सुविधा के महत्व को पहचाना और व्यापार प्रक्रियाओं

को सुव्यवस्थित करने, व्यापार बाधाओं को कम करने और दोनों देशों के व्यवसायों और निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा की।

न्यूजीलैंड ने भारत की कि सराहना

न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री ने भारत में लकड़ी के लट्टों के निर्यात से संबंधित मुद्दे को सुलझाने के लिए भारत द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। न्यूजीलैंड ने कहा, कृषि, वानिकी, फार्मा, कनेक्टिविटी, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में जुड़ाव को गहरा करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला

पिछले वित्त वर्ष कितना रहा था ट्रेड ?

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार एक अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। इसके अलावा भारत ईथ्यू, यूके, श्रीलंका और पेरू के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) की बात भी कर रहा है। आपको बता दें कि भारत और ईथ्यू के बीच औपचारिक रूप से 17 जून, 2022 को दोबारा एफटीए वार्ता शुरू की गई थी।

डॉम्स इंडस्ट्रीज के आईपीओ का हुआ ड्रीम डेब्यू, 68% से अधिक चढ़कर बंद हुआ स्टॉक



पेंसिल निर्माता डॉम्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों का आज पहली बार बाजार में कारोबार हुआ। कंपनी के शेयर आज अपने आईपीओ मूल्य 790 रुपये से 68 प्रतिशत से अधिक के भारी प्रीमियम पर बंद हुए। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों पर 1400 रुपये पर सूचीकृत हुए जो आईपीओ मूल्य से 77.21 प्रतिशत अधिक है।

नई दिल्ली। पेंसिल और स्टेशनरी निर्माता डॉम्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (DOMS Industries Ltd) के शेयरों आज पहली बार बाजार में ट्रेड किए। 790 रुपये के आईपीओ प्राइस के मुकाबले कंपनी का शेयर आज 68 प्रतिशत से अधिक के भारी प्रीमियम के साथ बंद हुआ। कंपनी का स्टॉक बीएसई और एनएसई दोनों पर 1,400 रुपये पर लिस्ट हुआ था जो उसके आईपीओ प्राइस का 77.21 प्रतिशत अधिक था।

कितने पर बंद हुआ स्टॉक ?
बीएसई पर कंपनी का स्टॉक 540.85

रुपये अधिक यानी 68.46 प्रतिशत की उछाल के साथ 13,30.85 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई पर कंपनी का स्टॉक 536 रुपये यानी 67.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1326 रुपये पर बंद हुआ। दिन के दौरान, बीएसई पर स्टॉक 81.55 प्रतिशत बढ़कर 1,434.25 रुपये पर पहुंच गया और एनएसई पर दिन के दौरान यह 81.51 प्रतिशत उछलकर 1,434 रुपये पर पहुंच गया।

कितने पहुंचा कंपनी का एमकैप ?
कंपनी का एमकैप अब बढ़कर आज 8,076.56 करोड़ रुपये हो गया। वॉल्यूम ट्रेड के लिहाज से, दिन के दौरान बीएसई पर कंपनी के 7.76 लाख शेयरों और एनएसई पर 1.46 करोड़ से अधिक शेयरों का कारोबार हुआ।

क्या था कंपनी का आईपीओ ?
कंपनी का आईपीओ 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक के लिए खुला था। आईपीओ को प्राइस बैंड 750 रुपये से 790 रुपये तय किया गया था। कंपनी का इश्यू साइज 1200 करोड़ रुपये का था। निवेशकों को न्यूनतम 13,500 रुपये निवेश करना था।



